पाहि नारायणने
पाहि नारायणने, पाहि वासुकिशयन, पाहि गरुडध्वजनॆ
पाहि कमलाक्ष
संवत्सरांबरधर, नतजनपाल
संवत्सर हरे कारुण्य निधिये
संवत्सर निन्न समरारु त्रिजगदि
संवत्सरक्कॆ जलजक्कॆ संवत्सरोपमा ॥1॥
पाहि नारायणने, पाहि वासुकिशयन, पाहि गरुडध्वजनॆ
संवत्सराक्षनुत गजवैरि संहरनॆ
संवत्सरादि संवत्सररिपू
संवत्सरकुवरने संवत्सरने ऎन्न
संवत्सरवळिदु कॊडु संवत्सर मती ॥2॥
पाहि नारायणने, पाहि वासुकिशयन, पाहि गरुडध्वजनॆ
संवत्सर समग्र प्राणेश विठलने
संवत्सर समग्र प्राणेशविठलनॆ
संवत्सर स्वामि दोष दूर
संवत्सर पित सिरि संवत्सरने क्लेश
संवत्सर माडु दीन कल्पतरु ॥3॥
पाहि नारायणने, पाहि वासुकिशयन, पाहि गरुडध्वजनॆ